महाकवि गालिब । सहाकवि गालिब ।

भ्रोर

Hindi Ecceson Liviary No . 5.73 उनका उद् काञ्य। ग्रिस्टर्ग काञ्च

हैं और भी दुनियाँमें सख़ू नवर बहुत अच्छे। कहते हैं कि गालिवका है अन्दाज़े बयाँ और।

> लेखक-ज्वालादत्त शम्मो